डीआरडीओ समाचार

डीआरडीओ की मासिक गृह पत्रिका

ISSN: 0971-4405

www.drdo.gov.in "बलस्य मूलं विज्ञानम्" वैशाख–ज्येष्ठ शक 1943, जून 2022 खण्ड 34 अंक 06

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस समारोह -2022

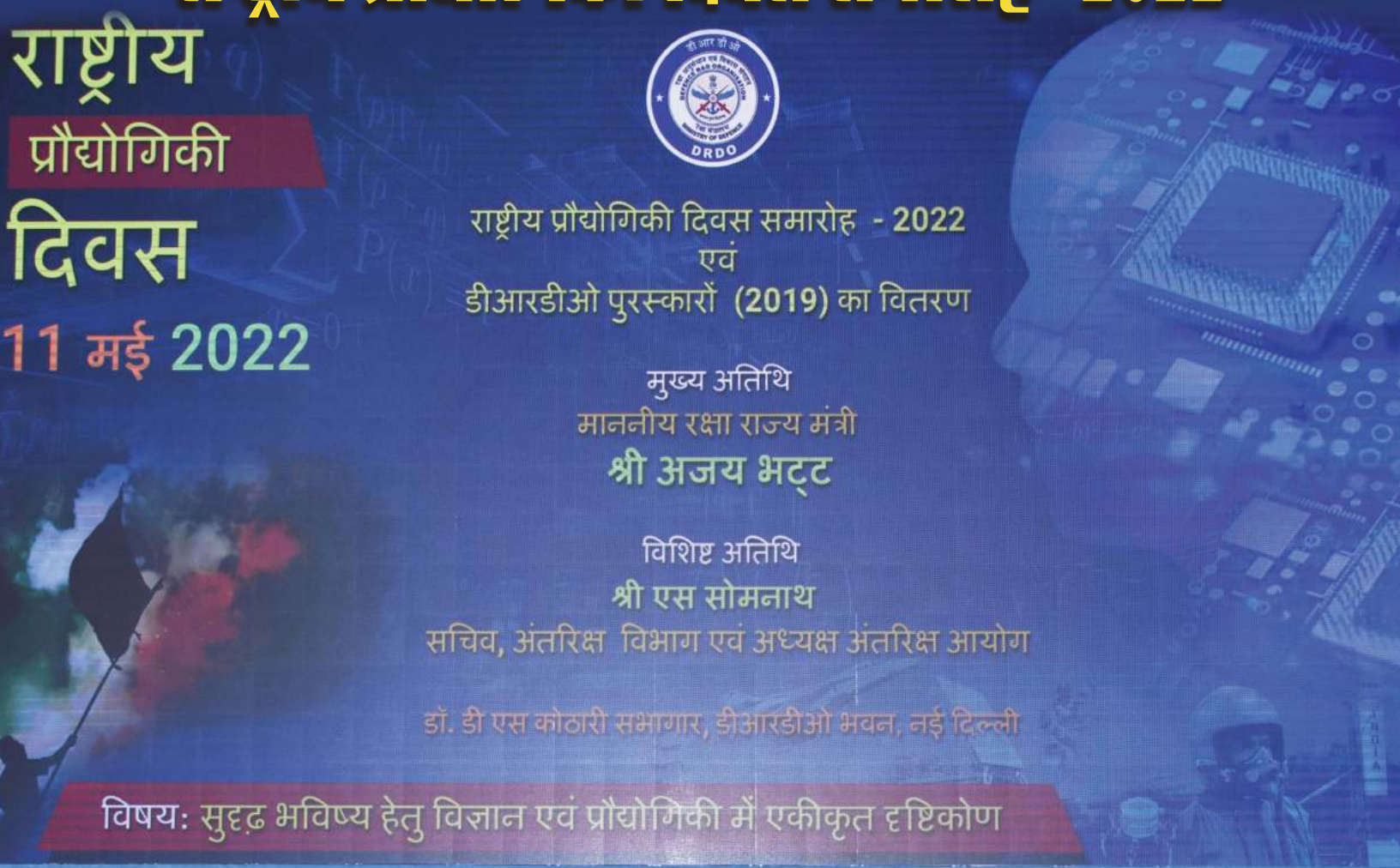

प्रकाशन का 34वां वर्ष

मुख्य संपादक : डॉ. के नागेश्वर राव
मुख्य सह-संपादक : अलका बंसल
मुख्य संपादक : अजय कुमार
संपादकीय सहायक : धर्म वीर

डीआरडीओ समाचार के ई–संस्करण तक पहुंचने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

हमारे संवाददाता

अहमदनगर	:	कर्नल अतुल आप्टे, श्री आर ए शेख, वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (वीआरडीई)
अंबरनाथ	:	डॉ. सुसन टाइटस, नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल)
चांदीपुर	:	श्री पी एन पांडा, एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर)
		श्री रत्नाकर एस महापात्रा, प्रूफ एवं प्रयोगात्मक संगठन (पीएक्सई)
बेंगलूरु	:	श्री सतपाल सिंह तोमर, वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई)
		श्रीमती एम. आर. भुवनेश्वरी, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स)
		श्रीमती फहीमा ए जी जे, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर)
		सुश्री तृप्ति रानी बोस, सैन्य उड़नयोग्यता एवं प्रमाणीकरण केंद्र (सेमीलेक)
		डॉ. जोसेफिन निर्मला एम, युद्धक विमान प्रणाली विकास एवं एकीकरण केंद्र (कैस्डिक)
		डॉ. प्रसन्ना एस बख्शी रक्षा जैव.अभियांत्रिकी एवं विद्युत चिकित्सा प्रयोगशाला (डेबेल)
		श्री वेंकटश प्रभु, इलेक्ट्रॉनिक एवं रडार विकास स्थापना (एलआरडीई)
		डॉ. अशोक बंसीवाल, सूक्ष्मतरंग नलिका अनुसंधान एवं विकास केंद्र (एमटीआरडीसी)
चंडीगढ़	:	डॉ. प्रिंस शर्मा, चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशला (टीबीआरएल)
चेन्नई	:	श्रीमती एस जयसुधा, युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई)
देहरादून	:	श्री अभय मिश्रा, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोग प्रयोगशाला (डील)
		श्री जे पी सिंह, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई)
दिल्ली	:	श्री आशुतोष भटनागर, कार्मिक प्रतिभा प्रबंधन केंद्र (सेप्टेम)
		डॉ. दीप्ति प्रसाद, रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास)
		डॉ. डॉली बंसल, रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर)
		श्री नवीन सोनी, नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास)
		श्रीमती रबिता देवी, पद्धति अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान (ईस्सा)
		सुश्री नुपूर श्रोत्रिय, वैज्ञानिक विश्लेषण समूह (एसएजी)
		डॉ. रुपेश कुमार चौबे, ठोसावस्था भौतिकी प्रयोगशाला (एसएसपीएल)
ग्वालियर	:	डॉ. ए के गोयल, रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई)
हल्द्वानी	:	डॉ. अतुल ग्रोवर, रक्षा जैव.ऊर्जा अनुसंधान संस्थान (डिबेर)
हैदराबाद	:	श्री हेमंत कुमार, उन्नत प्रणाली प्रयोगशाला (एएसएल)
		श्री ए आर सी मूर्ति, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल)
		डॉ. मनोज कुमार जैन, रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल)
		श्री ललित शंकर, अनुसंधान केंद्र इमारत (आरसीआई)
जगदलपुर	:	डॉ. गौरव अग्निहोत्री, एस एफ परिसर (एसएफसी)
जोधपुर	:	श्री रवींद्र कुमार, रक्षा प्रयोगशाला (डीएल)
कानपुर	:	श्री ए के सिंह, रक्षा सामग्री एवं भंडार अनुसंधान और विकास स्थापना (डीएमएसआरडीई)
कोच्चि	:	श्रीमती लता एम एम, नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल)
लेह	:	डॉ. डॉर्जी आंगचॉक, रक्षा उच्च तुंगता अनुसंधान संस्थान (दिहार)
मसूरी	:	डॉ. गोपा बी चौधरी, प्रौद्योगिकी प्रबंध संस्थान (आईटीएम)
मैसूर	:	डॉ. एम पालमुरगन, रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल)
पुणे	:	डॉ. (श्रीमती) जे ए कानितकर, आयुध अनुसंधान और विकास स्थापना (एआरडीई)
		डॉ. विजय पट्टर, रक्षा उन्नत प्रौद्योगिकी संस्थान (डीआईएटी)
		डॉ. एस नंदगोपाल, उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल)
तेजपुर	:	डॉ. जयश्री दास, रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल)
विशाखापत्तनम	:	श्रीमती ज्योत्सना रानी, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल)।

इस अंक में

जून , 2022
खंड–34, अंक 06
आई एस एस एन : 0971.4405

मुख्य लेख 4

नवोन्मेष 6
एमओय 8
घटनाक्रम 8
मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप 16
अवसंरचना विकास 23
कार्मिक समाचार 25
निरीक्षण/दौरा कार्यक्रम 27

वेबसाइट : https://www.drdo.gov.in/samachar
अपने सुझावों से हमें अवगत कराने के लिए कृपया संपर्क करें :
director.desidoc@gov.in
दूरभाष : 011–23902403, 23902434
फैक्स : 011–23819151

डीआरडीओ द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

भारत ने राजस्थान में स्थित भारतीय सेना के पोखरण परीक्षण परिसर में दिनांक 11 मई 1998 को तीन परमाणु परीक्षण सफलतापूर्वक किए जिसके कारण भारत परमाणु शस्त्रों वाले नामी.गिरामी देशों के समूह में शामिल हो गया था। तब से लेकर, पोखरण परमाणु परीक्षणों की स्मृति में हर वर्ष 11 मई को पूरे भारतवर्ष में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस को खास तौर पर वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं, अभियंताओं तथा एस एवं टी क्षेत्र में संबद्ध अन्य लोगों की सफलता और उपलब्धियों की याद में मनाया जाता है। यह दिवस भारत के लोगों को देश में किए गए प्रौद्योगिकी उन्नयनों तथा दैनिक जीवन में विज्ञान की महत्ता की याद दिलाता है।

डीआरडीओ ने एनटीडी का आयोजन बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया और 11 मई 2022 को आमंत्रित वार्ताओं तथा एनटीडी व्याख्यानों का आयोजन किया गया। इस वर्ष का शीर्षक था 'स्थायी भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण'। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट की गरिमामयी उपस्थिति थी। अपने संबोधन में, रक्षा राज्य मंत्री ने वैज्ञानिक समुदाय से कृत्रिम ज्ञान (एआई) जैसी प्रौद्योगिकियों में उन्नयन करने का आवाहन किया ताकि राष्ट्र भावी खतरों से निपटने के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा कि सरकार घरेलू क्रय के माध्यम से रक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार सभी क्षेत्रों/सेक्टरों को कटिंग.एज प्रौद्योगिकियों में उद्यमशीलता हासिल करने हेतु एक साथ कार्य करने की सलाह दे रही है। श्री एस सोमनाथ, सचिव, अंतरिक्ष विभाग एवं अध्यक्ष, इसरो, ने डीआरडीओ के प्रयासों की प्रशंसा की।

श्री अजय भट 'आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास : रक्षा अनुसंधान (1983.2018)' मोनोग्राफ का विमोचन करते हुए

डॉ. जी. सतीश रेड्डी, सचिव डी डी आर एवं डी एवं अध्यक्ष, डीआरडीओ ने समारोह की अध्यक्षता की। रक्षा राज्य मंत्री ने डीआरडीओ द्वारा एक आत्मनिर्भर आर एवं डी इकोसिस्टम की स्थापना करने हेतु डीआरडीओ की सराहना की क्योंकि यह सैन्य बलों को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' के विज़न के अनुरूप, नवोन्नत उपस्कर व शस्त्र उपलब्ध कराता है।

इस अवसर पर, श्री अजय भट ने दो मोनोग्राफ, डॉ. के. जी. नारायण, पूर्व मुख्य सलाहकार, डीआरडीओ द्वारा लिखित 'आत्मनिर्भरता के लिए प्रयासः रक्षा अनुसंधान (1983–2018)' और डॉ. जी. अतिथन, पूर्व महानिदेशक, डीआरडीओ द्वारा लिखित 'साइबर सुरक्षा के लिए सिद्धांत एवं रीतियां' का भी विमोचन किया। एनटीडी–2022 के वक्तव्यों व भाषणों के संकलन को भी इस अवसर पर विमोचित किया गया। कार्यक्रम के दौरान डीआरडीओ के वैज्ञानिकों ने उन्नत प्रौद्योगिकियों पर तीन वक्तव्य भी दिए।

श्री अजय भट 'साइबर सुरक्षा के लिए सिद्धांत एवं रीतियां' मोनोग्राफ का विमोचन करते हुए

एडीई, बेंगलूरु

वैमानिकी विकास स्थापना (एडीई), बेंगलूरु में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2022 दिनांक 11 मई 2022 को मनाया गया। श्री वाई दिलीप, ओ एस एवं निदेशक, ए डी ई ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने एन टी डी की पृष्ठभूमि एवं महत्ता को उजागर किया। डॉ. तरुण उप्पल, वैज्ञानिक 'एफ' ने 'उच्च–गति विस्तारणीय वायुवीय लक्ष्य के लिए नियंत्रण विधियों के विकास में चुनौतियां' पर वक्तव्य दिया। श्री दिलीप ने डॉ. तरुण उप्पल की प्रशंसा की और उन्हें एनटीडी पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया।

डीआईपीआर, दिल्ली

रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली ने दिनांक 11 मई 2022 को एन टी डी का आयोजन किया। इस वर्ष का वक्तव्य डॉ. अर्चना, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा 'पनडुब्बी संचालकों के लिए मनोवैज्ञानिक संवीक्षा परीक्षण' पर दिया।

डीएलआरएल, हैदराबाद

एनटीडी–2022 के भाग के रूप में, एस एण्ड टी मंच ने रक्षा इलेक्ट्रॉनिक अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद में दिनांक 18 मई 2022 को एक ऑफलाइन वार्ता की प्रस्तुति की जहाँ श्रीमती ऊषा पी वर्मा, वैज्ञानिक 'जी', उन्नत पद्धति प्रयोगशाला (एएसएल) ने 'लंबी दूरी की सामरिक मिसाइलों के लिए आरएफ डैकॉय' पर वार्ता प्रस्तुत की। एनटीडी–2022 समारोह के दौरान श्री अनुभव अडक, वैज्ञानिक 'डी' ने 'रडारों के वायुवाहित टी डी ओ ए डी एफ–आधारित भूस्थल' पर भाषण दिया।

डीआरएल, तेजपुर

रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर ने दिनांक 11 मई 2022 को बड़े उत्साह के साथ एनटीडी–2022 का आयोजन किया। डॉ. आई एम उमलॉन्ग, वैज्ञानिक 'ई' ने 'पानी से फ्लोराइड का विसंदूषण' पर वार्ता प्रस्तुत की। डॉ. उमलॉन्ग को उनकी प्रस्तुति के लिए एनटीडी पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

डीआरडीओ के क्रियाकलापों के बारे में तथा एस एण्ड टी की महत्ता के बारे में जनजागृत्ति फैलाने के उद्देश्य से, डीआरएल अनुसंधान शोधार्थी मंच (डीआरएसएफ) ने विभिन्न महाविद्यालयों से विद्यार्थियों को आमंत्रित किया।

इनमास, दिल्ली

डॉ. रश्मि अग्रवाल, वैज्ञानिक 'एफ' ने एनटीडी भाषण–2022 की प्रस्तुति दिनांक 11 मई 2022 को की। उनकी प्रस्तुति का शीर्षक था ''नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (इनमास), दिल्ली में युद्ध क चालकों और सिविलियन आबादी की विटामिन–डी स्थिति को बढ़ाकर उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए चिकित्सीय रणनीतियां'।

आईटीआर, चांदपुर

एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर) ने एनटीडी–2022 दिनांक 11 मई 2022 को मनाया। कार्यक्रम के दौरान कुल तीन प्रस्तुतियां की गईं : श्री प्रावाकर मल्लिक, वैज्ञानिक 'एफ' द्वारा 'विकिरण–रोधी मिसाइल के परीक्षण एवं मूल्यांकन के लिए आरएफ डैकॉय सिस्टम'; श्री सौरव कैटी, वैज्ञानिक 'ई' द्वारा 'बहु इलेक्ट्रो–ऑप्टीकल ट्रैकिंग सिस्टम का प्रयोग करके फ्लाइंग ऑब्जेक्ट पोजिशन फाइंडिंग हेतु विभिन्न तकनीकों का तुलनात्मक विश्लेषण'; और श्री अमित कुमार हैप्पी, वैज्ञानिक 'डी' द्वारा 'विजेबल एवं इन्फ्रारेड थर्मल इमेजिज के लिए मल्टी–सेंसर इमेज फ्यूजन'। वक्ताओं को प्रशंसा पत्र एवं स्मृति–चिन्ह प्रदान किए गए।

सू-30 एमकेआई विमान से ब्रह्मोस एअर लॉन्च्ड मिसाइल के विस्तारित परिसर संस्करण का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण

डीआरडीओ ने सू–30 एमकेआई जंगी विमान से ब्रह्मोस एअर लॉन्च्ड मिसाइल के विस्तारित परिसर संस्करण का दिनांक 12 मई 2022 को सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया। विमान से प्रक्षेपण, योजना के अनुसार किया गया और मिसाइल ने बंगाल खाड़ी क्षेत्र में नियत लक्ष्य पर सीधा निशाना लगाया।

सू–30 एमकेआई विमान से ब्रह्मोस मिसाइल के विस्तारित परिसर संस्करण का यह पहला प्रक्षेपण था। इसके साथ, भारतीय वायु सेना (आईएएफ) ने काफी लंबी दूरियों तक के भूस्थल/समुद्र स्थल लक्ष्य के विरूद्ध सू–30 एमकेआई विमान से बेचूक हमला करने की क्षमता प्राप्त कर ली है। आईएएफ, भारतीय नौसेना, डीआरडीओ, ब्रह्मोस ऐरास्पेस प्राइवेट लिमिटेड (बीएपीएल) तथा हिंदुस्तान ऐरोनौटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के समर्पित एवं सहक्रियावादी प्रयासों से ही राष्ट्र को यह क्षमता प्राप्त हुई है। मिसाइल की विस्तारित परिसर क्षमता के साथ–साथ सू–30 एम के आई विमान के उच्च प्रदर्शन से आईएएफ को सामरिक लाभ प्राप्त हुआ है, जो उसे भावी युद्ध क्षेत्रों में अपना लौहा मनवाने की सुविधा प्रदान करता है।

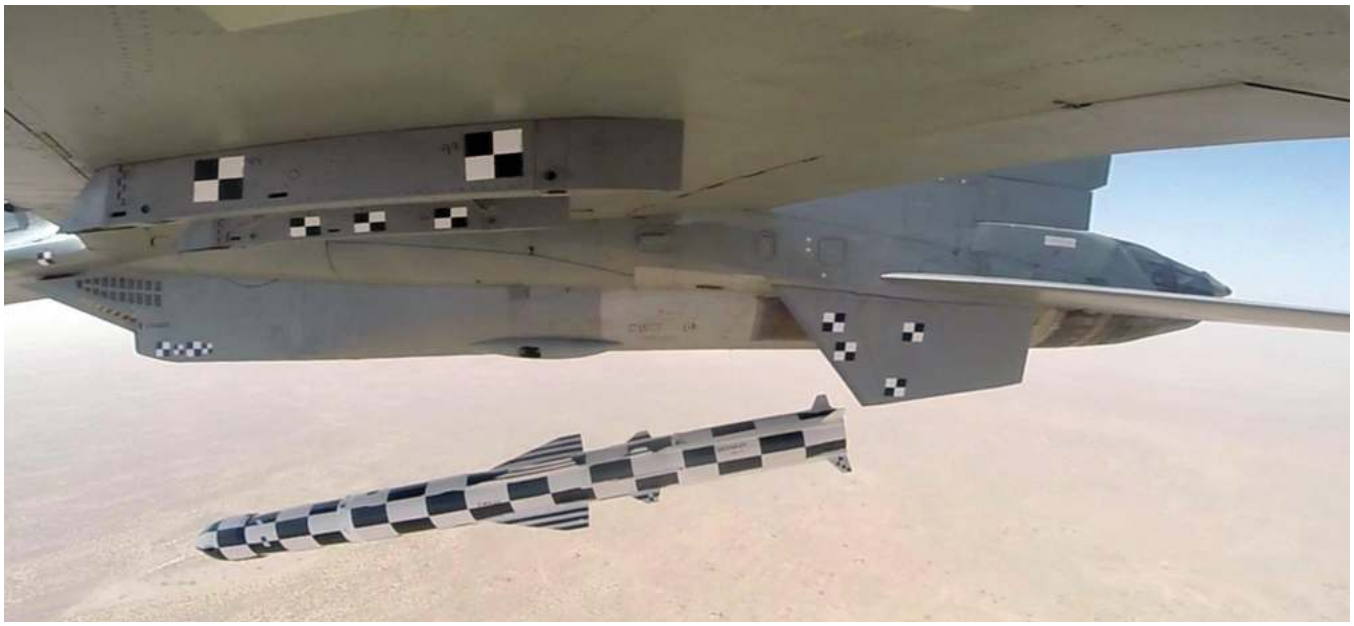

डीआरडीओ एवं आईएन द्वारा नौसेना पोत-रोधी मिसाइल का सफलतापूर्वक प्रथम उड़ान परीक्षण

डीआरडीओ और भारतीय नौसेना (आईएन) ने एक स्वदेशी विकसित नौसेना पोत–रोधी मिसाइल का प्रथम उड़ान परीक्षण सफलतापूर्वक किया जिसे ओडिशा के तट के पास स्थित एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर), चांदीपुर से एक नौसेना हेलिकॉप्टर द्वारा दिनांक 18 मई 2022 को छोड़ा गया था। मिशन ने अपने सभी उद्देश्यों को पूरा किया। यह भारतीय नौसेना के लिए पहली स्वदेशी वायु–प्रक्षेपित पोत–रोधी मिसाइल है।

मिसाइल वांछित सी–स्किमिंग ट्रेजेक्ट्री से होते हुए उच्च श्रेणी की सटीकता के साथ नियत लक्ष्य तक पहुंची जिसके फलस्वरूप उसके कंट्रोल, निर्देशन तथा मिशन एल्गोरिथम का वैधीकरण हुआ। परीक्षण परिसर में तथा प्रभाव बिंदु के आस–पास तैनात सेंसरों ने मिसाइल प्रक्षेप पथ (ट्रेजेक्ट्री) का पता लगाकर सभी घटनाक्रमों को अभिग्रहित कर लिया। मिसाइल ने हेलिकॉप्टर के लिए स्वदेशी विकसित लॉन्चर सहित अनेक नई प्रौद्योगिकियों का प्रयोग किया। मिसाइल निर्देशन प्रणाली में एक नवोन्नत नौवहन प्रणाली तथा एकीकृत वैमानिकियां शामिल हैं। विमान के परीक्षण को डीआरडीओ और भारतीय नौसेना के उच्चाधिकारियों ने प्रत्यक्ष रूप से देखा।

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ, भारतीय नौसेना, और संबद्ध टीमों को प्रथम डिवलेपमेंट फ्लाइट टेस्ट के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत ने मिसाइल प्रणालियों के स्वदेशी डिजाइन एवं विकास में उच्च स्तर की क्षमता हासिल कर ली है।

डॉ. जी. सतीश रेड्डी, सचिव, रक्षा आर एंव डी विभाग और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने मिशन के उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल करने के लिए परियोजना टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने परियोजना में सहायता देने के लिए भारतीय नौसेना तथा नौसेना विमान परीक्षण स्क्वेड्रॉन की सराहना की और कहा कि इस प्रणाली से भारतीय नौसेना की आक्रमण करने की क्षमता बढ़ जाएगी।

डीएफआरएल और आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के बीच एमओयू

आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम ने अपने परिसर में खाद्य परीक्षण अनुसंधान प्रयोगशाला की स्थापना और प्रबंधन के लिए रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर के साथ एक एमओयू किया है।

डॉ. अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डी एफ आर एल और श्री वी कृष्णमोहन, रजिस्ट्रार, आंध प्रदेश विश्वविद्यालय ने प्रोफेसर पी वी जी डी प्रसाद रेड्डी, आंध प्रदेश विश्वविद्यालय कुलपति की उपस्थिति में दिनांक 24 मार्च 2022 को डीएफआरएल में एमओयू पर हस्ताक्षर किए।

डीएफआरएल खाद्य विज्ञान और संबद्ध तकनीकी क्षेत्रों में छात्रों को प्रशिक्षण देने हेतु अपेक्षित बौद्धिक एवं तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय प्रयोगशालाओं की स्थापना करने और तकनीकी उपकरणों के लिए सहायता प्रदान करेगा। डीएफआरएल से वरिष्ठ वैज्ञानिकों को अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्यों के रूप में नियुक्त किया जाएगा। डीएफआरएल में आंध्र प्रदेश विश्वविद्यालय के छात्रों को इन्टर्नशिप दी जाएगी।

डॉ. आर कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', सह निदेशक, डीएफआरएल ने अपनी आर एण्ड डी गतिविधियों पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। पारस्परिक वार्ता के उपरांत, प्रोफेसर रेड्डी ने आर एण्ड डी प्रयोगशालाओं, परीक्षण सुविधाओं का दौरा किया और सैन्य बलों की खाद्य सामग्रियों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने हेतु डी एफ आर एल उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों के बारे में गहरी रुचि दिखाई।

घटनाक्रम

रक्षा राज्य मंत्री द्वारा डीआरडीओ पुरस्कारों का वितरण

रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट ने राष्ट्र के प्रौद्योगिकीय स्वपनों को साकार करने में उत्कृष्ट कौशल प्रदर्शित करने हेतु नई दिल्ली में दिनांक 11 मई 2022 को आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस–2022 समारोह के दौरान वैज्ञानिक समुदाय को वर्ष 2019 के लिए पुरस्कारों का वितरण किया। समारोह के दौरान निम्न श्रेणी के पुरस्कार वितरित किए गए।

पुरस्कार	पुरस्कार प्राप्तकर्ता
डीआरडीओ जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार	श्री एस. के. रे, डी एस (सेवानिवृत्त) एवं पूर्व निदेशक, आरसीआई, हैदराबाद
प्रौद्योगिकी नेतृत्व पुरस्कार	श्री एम. एस. आर. प्रसाद, डी एस एवं डी जी (एमएसएस)
	डॉ. वर्मना वेंकटेश्वरा राव, ओ एस, एआरडीई, पुणे
	डॉ. मंजीत सिंह, डी एस एवं निदेशक, टीबीआरएल, चंडीगढ़
	डॉ. टेसी थोमस, डी एस एण्ड डी जी (ऐरो)
	श्री प्रवीन कुमार मेहता, डी एस एण्ड डी जी (एसीई)

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ वैज्ञानिक पुरस्कार	श्री के. रवि संकर, वैज्ञानिक 'जी', केयर, बेंगलूरु
	डॉ. पी. श्रीहरि, वैज्ञानिक 'जी', आरसी आई, हैदराबाद
	डॉ. मनोज कुमार बुरागाहेन, वैज्ञानिक 'जी', एएसएल, हैदराबाद
	श्री पिनाकी सेन, वैज्ञानिक 'जी', डील, देहरादून
	श्री एम. शेक अल्थाप, वैज्ञानिक 'जी', एलआरडीई, बेंगलूरु
	सुश्री आशा गर्ग, वैज्ञानिक 'जी', एडीई, बेंगलूरु
	डॉ. अंबालाल विनायक पटेल, वैज्ञानिक 'जी', एडीए, बेंगलूरु
	श्री एजाज अहमद भट, वैज्ञानिक 'एफ', डीबेल, बेंगलूरु
	डॉ. पुष्पाश्री मिश्रा, वैज्ञानिक 'एफ', एसएसपीएल, दिल्ली
	डॉ. सुचेता चक्रवर्ती, वैज्ञानिक 'जी', एसएजी, दिल्ली
	डॉ. ए. के. गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी', डीआरडीई, ग्वालियर
	डॉ. वी वी भानू प्रसाद, वैजानिक 'जी', डीएमआरएल, हैदराबाद
	डॉ. आर. शेषार्दी, वैज्ञानिक 'जी', एमटीआरडीसी, बेंगलूरु
	श्री जय प्रकाश कमल, वैज्ञानिक 'जी', टीबीआरएल, चंडीगढ़
	श्री कोत्रा श्रीकांत, वैज्ञानिक 'एफ', एआरडीई, पुणे
	डॉ. जयतीर्थ आर जोशी, वैज्ञानिक 'जी', डीआरडीएल, हैदराबाद
अकादमी उत्कृष्टता पुरस्कार	प्रोफे. योगेश एम. जोशी, आईआईटी, कानपुर
	प्रोफे. भास्कर राममूर्ति, निदेशक, आईआईटी, मद्रास
लोकप्रिय विज्ञान संचार पुरस्कार	श्री जी एस गुप्ता, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, आर ए सी, दिल्ली
	श्री प्रतीक सी पटेल, वैज्ञानिक 'एफ', एआरडीई, पुणे
सिलिकॉन ट्रॉफी	अनुसंधान एवं विकास स्थापना अभियंता (आर एण्ड डी ई (ई)), पुणे
टाइटेनियम ट्रॉफी	उच्च ऊर्जा पदार्थ अनुसंधान प्रयोगशाला (एचईएमआरएल), पुणे
उल्लेखनीय अनुसंधान/उत्कृष्ट प्रौद्योगिकी विकास के लिए डीआरडीओ पुरस्कार	श्री यू राजा बाबू, ओ एस एवं पी डी और टीम, आरसीआई, हैदराबाद
	श्री बेंजामिन लियोनेल, ओ एस एवं टीम, आईआरडीई, देहरादून
आत्मनिर्भरता में उद्यमशीलता के लिए अग्नि पुरस्कार	श्री पी आर आर्या, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, एचईएमआरएल, पुणे
	डॉ. श्वेता रावत, वैज्ञानिक 'ई' एवं टीम, डिपास, दिल्ली
	डॉ. अजीत कुमार बी. चौधरी, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, डीआरडीएल, हैदराबाद
	श्री संजय पांडव, वैज्ञानिक 'एफ' एवं टीम, डीएलआरएल, हैदराबाद
	श्री एन. नरसिम्हा मूर्ति, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, आरसीआई, हैदराबाद
	श्री मनमोहन सिंह, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, एसएसपीएल, दिल्ली
	श्री रविन्द्र कुमार, ओ एस एवं निदेशक और टीम, डीएल, जोधपुर
	डॉ. नारायण पणीग्राही, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, केयर, बेंगलूरु
श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए डीआरडीओ पुरस्कार	श्रीमती रमीता के., वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, एनपीओएल, कोच्चि
	श्री अखिलेश सी. शर्मा, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, टीबीआरएल, चंडीगढ़
	श्री अनुपम शर्मा, ओ एस एवं टीम, डीएलआरएल, हैदराबाद
सामरिक योगदान देने के लिए विशेष पुरस्कार	सुश्री अनु खोसला, ओ एस एवं निदेशक और टीम, एसएजी, दिल्ली
	श्री एस. रामकृष्ण, वैज्ञानिक 'जी' एवं टीम, वीआरडीई, अहमदनगर
रक्षा प्रौद्योगिकी अवशोषण पुरस्कार	मैसर्स इंटिग्रेटेड इलेक्ट्रिक कंपनी (प्रा0) लिमि0, बेंगलूरु
	मैसर्स पॉलीहाउस इंडिया प्रा0 लिमि0
रक्षा प्रौद्योगिकी स्पिन–ऑफ पुरस्कार	चरम प्राक्षेपिकी अनुसंधान प्रयोगशाला (टीबीआरएल), चंडीगढ़
	नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि
	रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली
सर्वश्रेष्ठ नवप्रवर्तन/भावी विकास पुरस्कार	डॉ. एस. गणेसन, ओएस एवं टीम, सीवीआरडीई, चैन्नई

डीआरडीओ समाचार की तरफ से सभी पुरस्कार प्राप्तकर्ता को हार्दिक बधाई।

थल सेना को ऑक्सीजनित आश्रयालय की सुपुर्दगी

डॉ. राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, डिपास ने रक्षा शरीक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान, दिल्ली द्वारा तवांग क्षेत्र के वाई जंक्शन में संस्थापित पचास मानव–ऑक्सीजनित आश्रयालय दिनांक 4 अप्रैल 2022 को सीओएस एचक्यू 4 कोर के मेजर जनरल संजय सज्जनहार को सुपुर्द किए जब डॉ. एस. के. शर्मा, परियोजना निदेशक, डॉ. डी. वी. कंबोज, निदेशक डी आर एल, और कर्नल आर. के. रंजन, जीएस ईएम 4 कोर उपस्थित थे। आश्रयालय की इन्वेंट्री संबंधित यूनिट के सीओ, कर्नल आदित्य कपूर को स्थल पर भौतिक रूप से सौंपी गई। यह आश्रयालय सौर ऊष्मायित, सौर–ऊर्जा चालित है और यह आवश्यकता के आधार पर ऑक्सीजन भी सृजित कर सकता है। आश्रयालय को सायंकाल और रात्रि के दौरान गरम रखने

हेतु दिन के समय के दौरान अतिरिक्त ऊष्मा का दोहन करने के लिए पीसीएम का प्रयोग किया गया। इसे डिपास के पेटेंटबद्ध डिजाइन के आधार पर नवीनीकृत अर्थात फैब्रीकेट किया गया है, जो उच्च तुंगताओं में सैनिकों को त्वरित रूप से तैनात करने तथा ए एम एस एवं एच ए पी ई के प्रबंध के लिए काफी उपयोगी होगा।

शक्ति - डीआरडीओ अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस एक ऐसा अवसर होता है जब पूरी दुनिया में महिलाओं की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक, और राजनीतिक उपलब्धियों को याद किया जाता है। यह एकता एवं समानता पर विशेष ध्यान आकृष्ट करने का अवसर होता है, जैसा कि इस वर्ष के शीर्षक 'स्थायी भविष्य के लिए आज के समय में लैंगिक समानता' से स्पष्ट है। डीआरडीओ ने इस वर्ष के लिए महिला दिवस समारोह का शीर्षक 'शक्ति–ज्ञान, प्रौद्योगिकी, और नवप्रवर्तन की दिशा में महिलाओं की सहक्रिया' रखा था। नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने इस दो दिवसीय कार्यक्रम को दिनांक 13 तथा 14 अप्रैल 2022 को बड़े उत्साह से मनाया जिसमें डीआरडीओ की 52 प्रयोगशालाओं और स्थापनाओं ने

भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती शोभा कोशी, पूर्व मुख्य पोस्ट मास्टर जनरल, केरल मंडल और पूर्व अध्यक्षा, केरला राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, ने आत्मनिर्भरता हासिल करने हेतु भारत के प्रयासों में सहायता देने तथा उपलब्धियों के लिए डीआरडीओ की सभी महिला वैज्ञानिकों और सभी महानुभावों को बधाई दी। इस अवसर पर सम्मानित अतिथि, डॉ. जी सतीश रेड्डी, सचिव, डीडी आर एवं डी और अध्यक्ष, डीआरडीओ ने महानुभावों को संबोधित करते हुए रक्षा आर एण्ड डी में महिलाओं की महत्ता तथा उनके योगदान पर जोर दिया और प्रतिभागियों को प्रधानमंत्री के 'नारी शक्ति' को राष्ट्र की विकास यात्रा के सिरोमणि पर अधिष्ठापित करने के विज़न को साकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्री संजय विजयन पिल्लई, ओ एस एवं निदेशक, एनपीओएल और अध्यक्ष आईडब्ल्यूडी–2022 ने स्वागत सत्र में संबोधन दिया। श्रीमती एम. रेमादेवी, वैज्ञानिक 'जी', संयोजका, आईडब्ल्यूडी–2022 ने दो दिवसीय समारोह के दौरान विभिन्न घटनाक्रमों का विहंगावलोकन अर्थात ओवरव्यू प्रस्तुत किया। डीआरडीओ के अध्यक्ष ने डीआरडीओ के महिला वैज्ञानिकों द्वारा लिखित चयनित तकनीकी आलेखों के संकलन का विमोचन किया और सर्वश्रेष्ठ शोधपत्रों के लिए पुरस्कार तथा स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

आईडब्ल्यूडी लोगो प्रतियोगिता के विजेता को भी उद्घाटन समारोह के दौरान सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह को एनपीओएल के निदेशक द्वारा डीएफआरएल, मैसूर, और आईडब्ल्यूडी–2023 के लिए मेजबान प्रयोगशाला के प्रतिनिधियों को आईडब्ल्यूडी टॉर्च सौंपने के साथ संपन्न किया गया।

दो–दिवसीय आईडब्ल्यूडी–2022 समारोह के दौरान अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जैसे कि टीम निर्माण कार्यशाला, व्याख्यान देने हेतु प्रोत्साहन देना और पॉटरी संस्कृति को पारंपरिक कला के रूप में प्रदर्शित करना। नौसेना के लेफ. कमां. जनेत मेरिया फिलिप, एक शिक्षिका तथा एक प्रख्यात वन्यजीव फोटोग्राफ़र, और एक प्रसिद्ध फिजियोथेरेपिस्ट एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रमाणित फिटनेस ट्रेनर श्रीमती रिनी विबिन ने अपने अनुभव साझा किए तथा श्रोताओं को हर बाधा को तोड़कर उन सड़कों की यात्रा करने के लिए प्रोत्साहित किया जिन पर लोग कम निकलते हैं। प्रतिभागियों द्वारा व्यक्त की गई भावी विशिष्ट चिंताओं पर वरिष्ठ अधिकारियों के पैनल ने विचार–विमर्श किया, जिसकी अध्यक्षता श्रीमती निधि बंसल, वैज्ञानिक 'जी', अध्यक्षा, डीआरडीओ महिला मंच ने की।

आज़ादी का अमृत महोत्सव की वर्षगांठ समारोह

आज़ादी का अमृत महोत्सव (एकेएएम) की पहली वर्षगांठ को रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान (डिपास), दिल्ली में दिनांक 25 मार्च 2022 को मनाया गया। एकेएएम की गतिविधियां डिपास में दिनांक 12 मार्च 2021 को शुरु की गईं और भारत के लोगों, उसकी संस्कृति तथा उपलब्धियों सहित भारत के अद्वितीय इतिहास को याद किया गया।

वर्षगांठ समारोह के दौरान, एक पौधा वितरण कार्यक्रम चलाया गया जिसमें डिपास के सभी सदस्यों को डॉ. राजीव वार्ष्णेय, निदेशक, डिपास द्वारा तीन रंगों वाले सजावटी पौधे वितरित किए गए। अपने संबोधन के प्रारंभ में, उन्होंने सैन्य शरीरक्रिया क्षेत्र में डिपास के योगदानों के बारे में मुख्य अतिथि एवं श्रोताओं को जानकारी दी। प्रयोगशाला ने एक व्याख्यान का भी आयोजन किया जिसे डॉ. राजेश

कुमार, सह प्रोफेसर, आर्यभट महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा दिया गया। अपने व्याख्यान में उन्होंने भारत के इतिहास की महत्ता और स्वतंत्रता संघर्ष के बारे में बताते हुए प्रसिद्ध स्वतंत्रतता सेनानियों के योगदानों को उजागर किया। डिपास द्वारा विकसित उत्पादों और उसकी उपलब्धियों के आधार पर, हिंदी में एक मूवी/चलचित्र डॉ. राजेश कुमार द्वारा विमोचित की गई जिसे समारोह के दौरान दिखाया गया। डॉ. प्रियंका शर्मा, एकेएएम नोडल अधिकारी, ने संस्थान द्वारा चलाई गई गतिविधियों की एक झलक का प्रस्तुतीकरण किया।

रासायनिक पारगम्यता परीक्षण के लिए डीआरडीई, ग्वालियर को मिला एनएबीएल प्रत्यायन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर, भारत में एकमात्र ऐसी प्रयोगशाला है जो कैम–बायो खतरे के प्रशमन करने वाली प्रौद्योगिकियों को विकसित करने पर कार्य कर रहा है। देशज विकास के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, डीआरडीई भारतीय उद्योगों के साथ काफी निकटता से कार्य कर रहा है, जिससे कई उत्पादों तथा देखभाल नैदानिकियों के साथ–साथ परमाणु, जैविक, और रासायनिक (एनबीसी) रक्षा प्रौद्योगिकियों को परिवर्तित करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

आर एवं डी के अलावा, डीआरडीई के पास परीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग भी है जो विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, भारतीय उद्योग द्वारा विकसित लागू मानकों के अनुसार अथवा रक्षा सेवाओं द्वारा खरीदे गए रासायनिक आयुध अभिकारकों (वारफेयर एजेंट्स) के विरूद्ध अनेक एन बी सी उत्पादों (प्रतिरक्षी गियर, रासायनिक डिटेक्टर, कैनिस्टर, फिल्टर, आदि) पर गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण करता है।

इस संबंध में, डीआरडीई को एनएबीएल द्वारा अपेक्षित कार्य के लिए प्रत्यायन प्रमाण पत्र जारी किया गया है। इससे न केवल डीआरडीई द्वारा जारी परीक्षण रिपोर्टों के बारे में उपभोक्ताओं के विश्वास एवं संतुष्टि को बढ़ाने में सहायता मिलेगी (जो यथार्थता एवं विश्वसनीयता को बढ़ाएगी), अपितु भारतीय एवं विदेशी रक्षा विनिमार्ताओं को गुणवत्ता जांच में भी सहायता मिलेगी। इसके अतिरिक्त, इससे आत्मनिर्भर भारत के तत्वावधान के तहत रासायनिक–जैविक रक्षा प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करने में उद्योगों तथा स्टार्ट–अप्स को बड़ी सहायता मिलेगी।

इसके साथ, डीआरडीई एशिया में पहली और यूएस आर्मी एजवूड कैमिकल बायोलॉजीकल सेंटर (ईसीबीसी) के बाद दुनिया में दूसरी प्रयोगशाला है जिसके पास रासायनिक रक्षा प्रौद्योगिकियों एवं प्रणालियों के परीक्षण के लिए आईएसओ/आईईसी:17025; 2017 प्रत्यायन है।

एनएसटीएल में डॉ. बी आर अंबेडकर जयंती समारोह

आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम से पहले दिनांक 14 अप्रैल 2022 को नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम में डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 131वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर डॉ. एस. वी कामत, महानिदेशक (एन एस एण्ड एम); डॉ. वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एनएसटीएल; प्रोफेसर प्रसादा राव और अन्य महानुभाव उपस्थित थे। आमंत्रित वार्ताकारों–प्रोफेसर एस प्रसन्ना श्री ने 'आदिवासी संस्कृति का संरक्षण' पर और प्रोफेसर डॉ. एम. प्रसादा राव (सेवानिवृत्त) ने भारत रत्न डॉ. अंबेडकर की महानता के बारे में बताया। इस अवसर पर, श्री पथलावत शंकर का अभिवादन किया गया। उन्होंने एथलीट के क्षेत्र में 20 राष्ट्रीय एवं 14 अंतर्राष्ट्रीय पदक जीते हैं। श्री अमरजीत, सचिव, एनएसटीएल अ.जा. एवं अ.ज.जा. कर्मी कल्याण संघ; श्री हेमंत बैस, सचिव, कार्य समिति; और एन एस टी एल के कर्मियों ने समारोह में भाग लिया।

मानव संसाधन विकास क्रियाकलाप

ए एस एम ए एफ टी-14 पर पाठ्यक्रम

रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर में उन्नत आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन एवं खाद्य प्रौद्योगिकी (एएसएमएएफटी–14) पाठ्यक्रम दिनांक 21–23 मार्च 2022 के दौरान संचालित किया गया। सेना के इक्कीस उच्च एएससी अधिकारियों तथा एएससी केंद्र एवं महाविद्यालय, बेंगलूरु से मुख्य अनुदेशक ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। डॉ. अनिल दत्त सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया। पाठ्यक्रम में अत्याधुनिक एवं नवीनतम प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया ताकि खाद्य प्रसंस्करण, प्रशीतित एवं शीतित मांस/चिकन, गुणवत्ता नियंत्रण, और प्रबंधन में वरिष्ठ सेना अधिकारियों को परिपूर्ण ज्ञान प्रदान किया जा सके। पाठ्यक्रम में भाग लिए प्रतिभागियों ने आईटीसी फूड्स, नंजनगुड, मैसूर, कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ), और विश्लेषणात्मक गुणवत्ता नियंत्रण प्रयोगशाला (एक्यूसीएल), केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर का दौरा किया।

एचआर समन्वयकों की बैठक

डीआरडीओ मुख्यालय में स्थित मानव संसाधन विकास निदेशालय (डीएचआरडी) द्वारा एचआर समन्वयकों की बैठक प्रत्येक वर्ष आयोजित की जाती है ताकि डीआरडीओ मुख्यालय और प्रयोगशालाओं के एचआरडी प्रकोष्ठों के साथ पारस्परिक वार्ता में, चिंताओं को साझा करने में तथा डीआरडीओ में एच आर प्रक्रियाएं/कार्यविधियां विकसित करने में सुविधा प्रदान की जा सके। इस वर्ष एच आर बैठक का अयोजन रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल), हैदराबाद में दिनांक 28–29 मार्च 2022 के दौरान किया गया। श्री के एस वराप्रसाद, डी एस एवं डी जी (एचआर) इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। उपस्थित महानुभावों में श्री आर अप्पावुराज, अध्यक्ष, सेप्टम;

श्री सुशील वर्मा, ओ एस एवं निदेशक, आर ए सी; श्री श्रीधर कट्टी, वैज्ञानिक 'जी' और निदेशक, आईटीएम; डॉ. आलोक जेन, निदेशक, सेप्टम; डॉ. एस. के. द्विवेदी, निदेशक, कार्मिक; और डॉ. एस. के. सिंह, निदेशक, एचआरडी थे। बैठक में अनेक प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की गई जिनमें प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम; कार्यप्रदर्शन मूल्यांकन एवं निर्धारण; स्थानांतरण नीतियां; और ईआरपी मयूरपंख तथा ई–कॉप सिस्टम।

इनक्रियॉन-2022

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल) के सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों के लिए इन–हाउस पाठ्यक्रम (इनक्रियॉन)–2022 का संचालन दिनांक 16 से 17 मार्च 2022 के दौरान एनपीओएल, कोच्चि में किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद एक नया जीवन शुरु करने तथा उन्हें स्वयं को पुनःव्यवस्थित करने हेतु उन्हें विशेष प्रकार का प्रशिक्षण देने के लिए इस कार्यक्रम को प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जाता है। पाठ्यक्रम की पाठ्य–विवरणिका को इस प्रकार तैयार किया जाता है कि जीवन के सभी क्षेत्रों, जैसे कि सेवानिवृत्त हो रहे वैयक्तिकों के सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, वित्तीय, और भौतिक व शारीरिक समस्याओं के बारे में विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत कुछ और सत्रों को शामिल किया गया जहाँ जीवन से जुड़े क्षेत्रों में प्रसिद्ध लोगों द्वारा सेवानिवृत्ति उपरांत जीवन के अनेक पहलुओं से निपटने के बारे में जानकारी

प्रदान की गई। इन सत्रों में सेवानिवृत्त जीवन के सामाजिक–मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक श्री विपिन रोल्डेंट द्वारा संचालित सत्र; पीपीओ एवं पेंशन संबंधी लाभों पर श्री मोहित एस, एस ए ओ, एनपीओएल द्वारा संचालित सत्र; स्वास्थ्य एवं कल्याण पर डॉ. प्रिया विजयकुमार, प्रोफेसर, अमृता हॉस्पिटल, कोच्चि द्वारा संचालित सत्र; सीजीएचएस एवं चिकित्सीय प्रतिपूर्ति योजनाओं पर श्री राजेश नाम्बियार के. एम., एस ए ओ, एनपीओएल द्वारा संचालित सत्र, आदि प्रमुख रूप से आयोजित किए गए थे। अनुभव साझा करने पर डॉ. हरीश कुमार पी वी, वैज्ञानिक 'जी' (सेवानिवृत्त) द्वारा संचालित अंतिम सत्र बहुत ही रुचिकर था, जहाँ यह दर्शाया गया कि बुढ़ापा एवं अकेलापन के बारे में ज्यादा चिंतित रहकर कोई सेवानिवृत्त व्यक्ति किस प्रकार सृजनशील एवं चुस्त रह सकता है।

एसपीजी अधिकारियों को सीबी वारफेयर जंगी जवाबी कार्रवाई (वारफेयर काउंटर मीजर्स) पर प्रशिक्षण

रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर की गतिविधियों के भाग के रूप में, विभिन्न सुरक्षा बलों एवं सुरक्षा एजेंसियों को जैविक एवं रासायनिक युद्धास्त्र अभिकारकों अर्थात वारफेयर एजेंट्स तथा संबद्ध जवाबी कार्रवाइयों पर तकनीकी ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए निरंतर गतिविधियां चलाने हेतु एस पी जी अधिकारियों के लिए दिनांक 4–8 अप्रैल 2022 के दौरान एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। कुल मिलाकर, इस पाठ्यक्रम में 14 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पाठ्यक्रम का उद्घाटन डॉ. एम. एम. परिडा, निदेशक, डी आर डी ई ने वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा संकाय सदस्यों की मौजूदगी में किया। पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों को शामिल किया गया जिनमें रासायनिक एवं जैविक युद्धास्त्र अभिकारक, उनके एपिसोड, मानव पर प्रभाव, विसंदूषण की विधियां, भविष्य के संभावित सीबी अभिकारक, रिस्पॉन्डर की जिम्मेदारी, चिकित्सा निवारण उपाय, और एपिसोड प्रबंध, आदि को शामिल किया गया था। पाठ्यक्रम के दौरान व्याख्यानमाला तथा प्रदर्शन प्रदर्शित किए गए। डॉ. के. गणेसन, वैज्ञानिक 'जी' और कार्यवाहक निदेशक ने प्रमाण पत्र वितरित किए। प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम की काफी प्रशंसा की।

डीआरडीई में हिंदी कार्यशाला

'राजभाषा कार्यान्वयन एवं प्रबंधन' पर एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 2 मई 2022 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास स्थापना (डीआरडीई), ग्वालियर में किया गया। श्री विष्णु चन्द्र झा, निदेशक डीएमएस, डीआरडीओ मुख्यालय को कार्यशाला में मुख्य अतिथि एवं वार्ताकार के रूप में आमंत्रित किया गया। श्री झा ने डीआरडीई में राजभाषा के कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों को उजागर करते हुए, मातृ भाषा अर्थात राजभाषा एवं राष्ट्रीय भाषा की महत्ता के बारे में बताया। इसके अलावा, उन्होंने राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के बारे में संवैधानिक प्रावधानों के बारे में बात की। अपने संबोधन में, उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि वे राजभाषा नीति के दैनिक कार्य में प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पांचसूत्रीय फॉर्म्यूला अंगीकृत करें।

कार्यशाला के अंत में, डॉ. मनमोहन परिडा, निदेशक, डीआरडीई ने मुख्य अतिथि को एक स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। स्थापना के सभी अधिकारी और कर्मी कार्यशाला में उपस्थित थे।

हिंदी संगोष्ठी-श्रृष्टि-2022

दक्षिण भारत क्लस्टर के तहत अखिल भारतीय संयुक्त राजभाषा एस एण्ड टी सेमिनार 'श्रृष्टि–2022' का आयोजन नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि में दिनांक 3–4 मार्च 2022 के दौरान किया गया। सेमिनार को डीआरडीओ द्वारा घोषित नए दक्षिण भारत क्लस्टर के तहत पहली बार आयोजित किया गया। डीआरडीओ प्रयोशालाओं, अर्थात युद्धक वाहन अनुसंधान एवं विकास स्थापना (सीवीआरडीई), चैन्नई, और रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआरएल), मैसूर इस कार्यक्रम के सह–संयोजक थे। मुख्य अतिथि डॉ. टिजू थॉमस, भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस), और वर्तमान में केरल एवं लक्षद्वीप के जीएसटी (लेखापरीक्षा) आयुक्त तथा राष्ट्रपति अति–विशिष्ट सेवा पदक–2019 प्राप्तकर्ता ने सेमिनार का उद्घाटन किया। सेमिनार के मुख्य संरक्षक श्री एस विजयन पिल्ले, निदेशक, एनपीओएल; सह–संरक्षक श्री वी बालामुरुगन, निदेशक, सीवीआरडीई; और

मुख्य अतिथि डॉ. टिजू थॉमस, भारतीय राजस्व सेवा (आई आर एस), और श्री एस. विजयन पिल्ले, वैज्ञानिक 'एच' एवं निदेशक, एनपीओएल हिंदी संगोष्ठी के प्रतिभागियों के साथ उपस्थिति

डॉ. ए डी सेमवाल, निदेशक, डीएफआरएल; श्री पी वी जोस, एडी, एनपीओएल; श्री वी के चेरुकुलथ, वैज्ञानिक 'एफ'; डॉ. ए वी रमेश कुमार, वैज्ञानिक 'एफ' तथा सेमिनार के अध्यक्ष; और श्री राम लोचन अवस्थी, वैज्ञानिक 'ई' एवं प्रमुख, हिंदी प्रकोष्ठ, अन्य महानुभावों के साथ उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। समारोह के दौरान मुख्य अतिथि ने सेमिनार के सोवनियर का भी विमोचन किया गया। श्री पी वी जोस, ओ एस, और कार्यवाहक निदेशक, एनपीओएल ने सेमिनार के मुख्य संरक्षक की ओर से हिंदी की महत्ता तथा दैनिक कार्यालयी कामकाज में हिंदी के उपयोग के बारे में बात की। समापन समारोह के दौरान, एनपीओएल के निदेशक के साथ डॉ. रविन्द्र सिंह, निदेशक, डीपीएआरओएम इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

कैब्स में हिंदी कार्यशाला

वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलूरु ने दो दिवसीय राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 29 मार्च 2022 और 31 मार्च 2022 को किया। कार्यशाला का उद्घाटन डॉ. के. राजलक्ष्मी मेनन, ओ एस एवं निदेशक, कैब्स ने किया। अपने प्रारंभिक संबोधन में, उन्होंने कार्यालयी कामकाज में राजभाषा हिंदी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। हिंदी कार्यशाला में 125 से अधिक अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों को आमंत्रित किया गया। श्री सुशील कुमार गोयल, सहायक निदेशक, राजभाषा,

श्री सुशील कुमार गोयल, सहायक निदेशक (राजभाषा), जी पी ओ, बेंगलूरु और डॉ. एस एन महेश, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, केयर, डीआरडीओ की कार्यशाला के दौरान उपस्थिति

जी पी ओ, बेंगलूरु, और डॉ. एस. एन. महेश वरिष्ठ हिंदी अनुवादक, कृत्रिम ज्ञान एवं रोबोटिकी केंद्र (केयर), बेंगलूरु अतिथि वार्ताकार थे।

सीबीआरएनई हताहतों के चिकित्सा प्रबंध पर कार्यशाला

सैन्य बल चिकित्सीय सेवा (एएफएमएस) और अर्द्धसैनिक बलों के चिकित्सा अधिकारियों के लिए सीबीआरएनई हताहतों के चिकित्सा प्रबंध पर सी बी आर एन ई कार्यशाला का आयोजन नाभिकीय औषधि एवं संबद्ध विज्ञान (इनमास) में दिनांक 18–22 अप्रैल, 2022 के दौरान किया गया। कार्यशाला का आयोजन डीसीआईडीएस (चिकित्सा) और इनमास, दिल्ली के तत्वावधान के तहत संयुक्त रूप से किया गया।

एएफएमएस एवं अर्द्धसैनिक बलों से कुल 60 चिकित्सा अधिकारियों ने कार्यशाला/सह–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य सीबीआरएनई आपातकालों के चिकित्सा

प्रबंधन से संबंधित पहलुओं तथा ऐसी स्थितियों के निराकरण हेतु विषयगत ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने पर चर्चा करना था। इनमास के संकाय सदस्यों तथा डीआरडीई, ग्वालियर के विशेषज्ञों; सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्ट्डीज (सीईएनजेओडब्ल्यूएस); नॉर्डिक बायोसाइंस क्लिनिकल डिवलेपमेंट (एनबीसीडी); सेंटर फॉर फायर, एक्सप्लोसिव एण्ड इन्वॉयरमेंट सेफ्टी (सीएफईईएस), दिल्ली तथा अन्य संस्थाओं ने सीबीआरएन आपातकाल के प्रत्येक संबद्ध क्षेत्र को सैद्धांतिकी एवं अभ्यासिक ज्ञान को कवर किया।

समस्या निराकरण तकनीकों पर कार्यशाला

समस्या निराकरण तकनीकों पर एक कार्यशाला का आयोजन रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान (डीआईपीआर), दिल्ली में दिनांक 14 एवं 15 मार्च 2022 के दौरान किया गया जिसे डॉ. निटी शर्मा, वैज्ञानिक 'ई', प्रधान अन्वेषक और डॉ. आर. के. सोखी, वैज्ञानिक 'जी', परियोजना निदेशक तथा डीआईपीआर के संगठनात्मक संव्यवहार प्रभाग (ओबीडी) के प्रमुख ने डॉ. के. रामचन्द्रन, ओ एस एवं निदेशक, डी आई पी आर के मार्गदर्शन में संचालित किया। कार्यशाला का उद्देश्य समस्या निराकरण दृष्टिकोण आधारित वैज्ञानिक चयन पद्धति का वैधीकरण करना था ताकि संभावित उम्मीदवारों के मनोवैज्ञानिक पहलुओं की संव्यहारात्मक अभिव्यक्तियों का निर्धारण किया जा सके। कार्यशाला में डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों, भारतीय नौसेना बलों के उन सेवारत अधिकारियों (जिन्हें व्यक्तित्व मूल्यांकन में तकनीकी रूप से डीआईपीआर के मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रशिक्षित किया गया था) तथा महाराजा अग्रसेन प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएआईटी), दिल्ली के शिक्षाविदों ने भाग लिया। वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने कार्यशाला की काफी ज्यादा सराहना की क्योंकि कार्यशाला से अति अपेक्षित नवप्रवर्तन एवं निष्पक्षता लाने में तथा वैज्ञानिकों की चयन प्रक्रिया में मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विशेष गौर करने में सहायता मिलेगी।

सोनार प्रणालियों पर पाठ्यक्रम

नौसेना भौतिक एवं समुद्र विज्ञान प्रयोगशाला (एनपीओएल), कोच्चि ने स्थानांतरित वैज्ञानिकों के लिए 'सोनार प्रणालिया : वैज्ञानिक 'बी, वैज्ञानिक 'सी' पर एक पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आठ दिवसीय पाठ्यक्रम का उद्देश्य सोनार डिजाइन के महत्वपूर्ण पहलुओं के बारे में मूलभूत समझ प्रदान करना तथा उच्च स्तर के अधिकारियों द्वारा सोनार उप–प्रणाली की उपयुक्तता और प्रणाली के उद्देश्यों की पूर्ति करने में सोनार डिजाइन की भूमिका के बारे में जानकारी प्रदान करना था। पाठ्यक्रम में जिन वार्ताकारों ने व्याख्यान दिए, उनमें एनपीओएल के प्रभागों और परियोजनाओं के प्रसिद्ध वैज्ञानिक थे। पाठ्यक्रम के अंतर्गत शामिल किए गए

विभिन्न विषयों में ओसियन अकाउस्टिक मीडियम का इंटरप्ले, पेसिव, और एक्टिव सोनार समीकरण; ओसियन अकाउस्टि इन्वॉयरमेंट (जो सोनार प्रदर्शनों को प्रभावित करते हैं); संरचनात्मक एवं थर्मल इंजीनियरिंग डिजाइन; इलेक्ट्रानिक सोनार उप–प्रणालियां; फ्रंट–एंड इलेक्ट्रानिक रिसीवर, आदि थे।

पनोरमा-II - एक समुद्री पूर्वानुमान परिकल्पना प्रणाली पर कार्यशाला

पनोरमा–II पर एक सूचना प्रसार कार्यशाला का आयोजन नौसेना अनुसंधान बोर्ड (एनआरबी) द्वारा दिल्ली में दिनांक 28 मार्च 2022 को किया गया। कार्यशाला में श्री हरी बाबू श्रीवास्तव, ओ एस एवं महानिदेशक (टीएम), आर एडमिरल के. एम. रामकृष्णन एसीएनएस (सीएस एनसीओ) तथा वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों (कर्नल ए. के. नाथ (आर) डीजी सी–डैक पुणे) की एक टीम, और सी–डैक, पुणे से एक इंजीनियर, एम ई डी एस, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मेती) एवं भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) के पदाधिकारियों की एक टीम ने तथा एनआरबी की एक टीम ने भाग लिया।

पनोरमा–II, जो कि एक समुद्री पूर्वानुमान परिकल्पना प्रणाली है, को सी–डैक, पुणे द्वारा विकसित किया गया जिसके लिए एन आर बी ने वित्तपोषण तथा भारतीय नौसेना एवं एनआरबी के वैज्ञानिक संगणन पैनल

ने तकनीकी मार्गदर्शन दिया। पनोरमा–II की शुरुआत पनोरमा संस्करण 1–0 के सफल प्रक्षेपण के उपरांत किया गया क्योंकि संस्करण 1–0 की कार्यत्मकताओं में सुधार लाना था। पनोरमा प्रणाली को भारतीय नौसेना के 84 से अधिक पोतों, 7 पनडुब्बियों, और अनेक नौसेना बेसों में तैनात किया गया है। यह परिष्कृत एवं उन्नत संस्करण सभी पोतों में तैनात किए जाने की संभावना है। इस नए संस्करण को भारत की आवश्यकताओं के अनुरूप निर्मित किया गया है। इसमें अन्य वाणिज्यिक रूप से उपलब्ध सॉफ्टवेयर की तुलना में, अनेक विशिष्ट कार्यत्मकताएं स्थापित की गई हैं।

एनएसटीएल में प्रयोगशाला विज्ञान परिषद् की बैठक

आज़ादी का अमृत महोत्सव समारोह और आत्मनिर्भर भारत पहल के भाग के रूप में, नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने अपनी प्रयोगशाला विज्ञान परिषद् की दूसरी बैठक दिनांक 20 अप्रैल 2022 को आयोजित की गई। इस अवसर पर, श्री एम. श्री भारत, अध्यक्ष, गीतम विश्वविद्यालय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। श्री पी सुमंत, वैज्ञानिक 'सी' ने एक वार्ता की प्रस्तुति की। एक अन्य वार्ता की प्रस्तुति डॉ. एस. लक्ष्मीनारायण, चेयर, इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिक एण्ड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई), विशाखापत्तनम खाड़ी मंडल ने 'डेटा माइनिंग' पर की।

मुख्य अतिथि श्री एम. श्री भरत ने अपने संबोधन में वैज्ञानिक समुदाय से आग्रह किया कि वे शैषिक संस्थानों में आएं और अनुसंधान के क्षेत्र के बारे मे जनजागृत्ति फैलाएं। उन्होंने वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि वे अपना कार्य करते हुए शांति बनाए रखें और छात्र समुदाय को विद्यालयों तथा महाविद्यालयां में जाएं। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. वाई श्रीनिवास राव, ओ एस एवं निदेशक एन एसटीएल ने की। एनएसटीएल के वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारी, और स्टाफ सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

28वां तमहांकर स्मृति व्याख्यान

देश में दो महत्वपूर्ण संस्थाओं अर्थात रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद और मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानी), हैदराबाद को स्थापित करने और उनको बढ़ावा देने में स्वर्गीय डॉ. आर. वी. टमहंकर द्वारा दिए गए उल्लेखनीय योगदानों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए भारतीय धातुकीय संस्थान (आईआईएम), हैदराबाद शाखा द्वारा तमहांकर स्मृति व्याख्यान का आयोजन प्रत्येक वर्ष किया जाता है। 28वें तमहांकर स्मृति व्याख्यान का आयोजन डीएमआरएल में दिनांक 11 अप्रैल 2022 को किया गया। डॉ. यू. कामची मुडली, कुलपति, वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश; पूर्व अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक, हैवी वाटर बोर्ड एवं पूर्व अध्यक्ष, भारतीय धातुकीय संस्थान ने 'स्थायी भविष्य के लिए सामग्री सुरक्षा एवं रणनीति' पर व्याख्यान दिया। उन्होंने सामग्रियां प्राप्त करने, उन्हें स्थिर रखने हेतु अनेक रणनीतियों, सरकार द्वारा शुरु की गई विभिन्न पहलों, और तीन R's यानी रिड्यूस, रियूज तथा रिसाइकिल पर जोर दिया।

एनएसटीएल में इन्फ्रारेड स्टेल्थ टेस्ट फैसिलिटी का उद्घाटन

भारतीय नौसेना के लिए प्रयोगशाला द्वारा विकसित की जा रही डीजल इंजन इन्फ्रारेड सिग्नेचर सुप्रेशन (आईआरएसएस) प्रणालियों के प्रदर्शन का अध्ययन करने हेतु नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने एक नई इन्फ्रा रेड टेस्ट फैसिलिटी स्थापित की है। इस फैसिलिटी का उद्घाटन, डॉ. वाई श्रीनिवास राव, निदेशक, एनएसटीएल ने किया और उन्होंने एक ऐसी विशिष्ट सुविधा को डिजाइन एवं विकसित करने के लिए टीम की प्रशंसा की। यह सुविधा किसी भी डीजल इंजन की गैस प्रणाली को खाली करने में सहायता प्रदान कर सकती है जिसके कारण बहु परीक्षण सुविधाओं की आवश्यकता नहीं होगी। श्री पी वी एस गणेश कुमार, ए डी, एनएसटीएल ने इस सुविधा व फैसिलिटी के बारे में बताते हुए यह बताया कि यह सुविधा भारतीय

नौसेना के सभी भावी पोतों के लिए स्वदेशी विकसित आईआरएसएस प्रणालियों के परीक्षण हेतु वन स्टॉप सॉल्यूशन होगी और यह नौसेना स्टेल्थ में 'आत्मनिर्भर भारत' को साकार करने में एक बड़ा कदम होगा। एनएसटीएल में आई आर विभाग के प्रमुख ने बताया कि यह सुविधा एनएसटीएल से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से विकसित आईआरएसएस प्रणालियों के परीक्षण के लिए सभी जहाज विनिर्माता यार्डों और उद्योगों के लिए उपलब्ध होगी।

आईआरडीई में उन्नत परीक्षण प्रयोगशाला का उद्घाटन

डॉ. बी. के. दास, ओ एस एवं निदेशक, यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने आईआरडीई में वायुवाहित उन्नत परीक्षण प्रयोगशाला प्रणाली (एटलस) का उद्घाटन किया। यह एटलस असेम्बली एवं इंटिग्रेशन उपकरण, एक वायुवाहित सॉफ्टवेयर परीक्षण प्रयोगशाला, और हैक्सापॉड सुविधाओं से सुसज्जित है।

डॉ. दास ने प्रयोशाला की स्थापना के लिए टीम द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की। कर्नल राजेश जावेरिया, संपाद प्रबंधक, ईएमयू (आर एण्ड डी), देहरादून भी उपस्थित थे।

डॉ. बी के दास, ओ एस एवं निदेशक आईआरडीई एटलस प्रयोगशाला के उद्घाटन के दौरान टीम के साथ

नोर्मोबेरिचाइपोक्सिया एक्सपोजर फैसिलिटी का उद्घाटन

रक्षा शरीरक्रिया एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डिपास), दिल्ली ने एक ही समय पर 50 व्यक्तियों के लिए इंटरमिटेंट हाइपोक्सिया एक्सपोजर (आईएचई) के लिए बेंदुगी, बागडोगरा में एक विशिष्ट सुविधा स्थापित की है। इस सुविधा को 12 प्रतिशत एफआईओ2 (लगभग 15000 फीट तुगता के समतुल्य इन्सपायर्ड एअर में ऑक्सीजन के प्रभाज) के लिए टेस्ट किया गया है।

चैम्बर का उद्घाटन जी ओ सी, 33 कोर, लेफ. जर्नल टी के ऐच, ए वी एस एम, और डॉ. राजीव वार्ष्णेय, निदेशक डिपास द्वारा संयुक्त रूप से डॉ. एस. के. शर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिकों तथा सेना के पदाधिकारियों की मौजूदगी में किया गया।

आईआरडीई हीरक जयंती दीर्घा का उद्घाटन

आईआरडीई की हीरक जयंती को मनाने के लिए यंत्र अनुसंधान एवं विकास स्थापना (आईआरडीई), देहरादून ने हीरक जयंती दीर्घा स्थापित की। दीर्घा का उद्घाटन डॉ. बी. के. दास, ओ एस एवं निदेशक, आईआरडीई ने श्री जे. के. बाजपेयी, ओ एस एवं वैज्ञानिक 'एच' एवं सह निदेशक, और अवनीश कुमार, वैज्ञानिक 'जी' तथा अतिरिक्त निदेशक, आईआरडीई की मौजूदगी में किया। दीर्घा में आईआरडीई के उत्पादों, थर्मल इमेजर्स, लेजर यंत्रों, विजन यंत्रों, फायर कंट्रोल, और निगरानी उपस्कर, फोटोनिक्स यंत्र, गिम्बल्स, और कई सफल उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है।

डाउन–द–मैमोरी लेन सेक्शन में उत्पादों तथा सन् 1960 से वर्तमान वर्ष तक के विशिष्ट घटनाक्रमों को प्रदर्शित किया गया है। इस दीर्घा ने कर्मियों और उनके परिवारों को अपनी ओर काफी ज्यादा आकर्षित किया है। यह किसी भी आगंतुक के लिए एक सिंग्ल–स्टॉप समाधान है। डॉ. दास ने इस हीरक जयंती दीर्घा को सृजित करने में अधिकारियों तथा स्टाफ सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

नियुक्ति

महानिदेशक (ईसीएस)

MkWch- d s nkl] उत्कृष्ट वैज्ञानिक, को दिनांक 29 अप्रैल 2022 को महानिदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार प्रणाली) नियुक्त किया गया है। इससे पहले, वह 2015 से 2020 तक एकीकृत परीक्षण परिसर (आईटीआर) के निदेशक थे, और उसके बाद आईआरडीई के निदेशक बने। बीच में वह अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ डील के निदेशक थे।

वह 33 वर्षों तक भारतीय मिसाइल कार्यक्रम के आंतरिक भाग का हिस्सा थे और उन्होंने विभिन्न नवोन्नत मिसाइल प्रणालियों के परीक्षण एवं मूल्यांकन की दिशा में अथक रूप से कार्य किया है। वह परीक्षण परिसर एवं यंत्रित परीक्षण परिसर के प्रमुख रहे, जो कि आज दुनिया में सर्वश्रेष्ठ तथा अति व्यस्त परिसर है। वह देश के परीक्षण परिसर प्रौद्योगिकी के पुनरुद्धार के लिए प्रमुख व्यक्ति थे जिसके कारण देश के पास स्वदेशी परीक्षण प्रणालिया की संपूर्ण क्षमता है। उनके नेतृत्व में, आई आर डी ई में 21 नवोन्नत उत्पादों को वर्ष 2021 के दौरान विकसित किया गया, अर्थात इलेक्ट्रो–ऑप्टिक मास्ट, एलईओपी, सीएएमओपी, एजीएमएस, तथा कई और प्रणालियां। इस अवधि के दौरान, उन्होंने इलेक्ट्रो–ऑप्टिकल प्रणालियों के लिए विभिन्न अवसंरचना एवं नवोन्नत परीक्षण सुविधाएं सृजित की हैं। उन्होंने राष्ट्रीय महत्ता वाली दोनों प्रयोगशालाओं का नेतृत्व किया और दोनों प्रयोगशालाओं के विज़न को पारिभाषित किया। उनके ऊर्जावान नेतृत्व में, इन दोनों प्रयोगशालओं ने वर्ष 2022 में 22 अंतराष्ट्रीय महत्ता वाले उत्पाद विकसित करने का लक्ष्य रखा है।

डॉ. दास बुर्ला इंजीनियरिंग कॉलेज, ओडिशा से बी. टेक., आईआईटी, खड़गपुर से एम. टेक. एवं पीएच. डी. शिक्षित हैं। डॉ. दास सर्वश्रेष्ठ स्नातक स्वर्ण पदक धारक हैं और वह आईआईटी टॉपर हैं। उनके पीएच. डी. शोधप्रबंध को यूएसए द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोधप्रबंध घोषित किया है। उन्होंने अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं, जैसे कि लक्ष्मीपत सिंधानिया–आईआईएम, और एस एवं टी में देश के युवा अग्रज के रूप में वर्ष 2008 के लिए लखनऊ राष्ट्रीय नेतृत्व पुरस्कार (एक देश के लिए एक पुरस्कार); इमेज प्रोसेसिंग और इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स में प्रौद्योगिकीय विकास हेतु राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास सहयोग (एनआरडीसी) द्वारा 1997–98 के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार; इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स और इमेज प्रोसेसिंग में योगदान देने हेतु भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी अकादमी (आईएनएई) द्वारा वर्ष 1999 के लिए युवा अभियंता राष्ट्रीय पुरस्कार एवं मेडालियन।

डॉ. दास को इमेज प्रोसेसिंग में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए उड़ीसा विज्ञान अकादमी द्वारा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार भी प्रदान किया गया है।

इलेक्ट्रो–ऑप्टिक्स के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए उन्हें 2013 में वर्ष का वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया गया था। उन्होंने वायु रक्षा प्रणालियों के लिए टीम के सदस्य के रूप में अद्भुत अनुसंधान हेतु वर्ष 2006–07 के दौरान पुरस्कार प्राप्त किया तथा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस–1996 के दौरान सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्त किया। उन्हें वर्ष के लिए प्रयोगशाला वैज्ञानिक पुरस्कार, और प्रौद्योगिकी समूह पुरस्कार–2011 प्रदान किए गए। डॉ. दास को परीक्षण परिसर में सर्वश्रेष्ठ प्रौद्योगिकी विकास के लिए वर्ष 2004 में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस टाइटेनियम पदक भी प्रदान किया गया। डॉ. दास के नाम से विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों और सम्मेलनों में 50 से अधिक प्रकाशन हैं।

उच्च शिक्षा ग्रहण

एनपीओएल, कोच्चि

श्री एस. विजयन पिल्लई, ओ एस एवं निदेशक, एनपीओएल, कोच्चि को उनके शोधप्रबंध शीर्षक 'नोवल प्रोडक्ट बीमफोर्मिंग डिजाइन इन्वेस्टिगेशन्स फॉर मैरीन सोना एप्लीकेशन्स' के लिए प्रौद्योगिकी संकाय के निर्देशन के तहत कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीयूएसएटी) द्वारा पीएच. डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

डीआरएल, तेजपुर

श्री धीरज दत्ता, वैज्ञानिक 'डी', रक्षा अनुसंधान प्रयोगशाला (डीआरएल), तेजपुर को उनके शोधप्रबंध शीर्षक 'कोटिंग इन्ड्यूस्ड सरफेस फंक्शनाइज्ड होलो पॉलीमिथाइलमेथाक्रायलेट माइक्रोस्फेयर्स फॉर डिवलेपमेंट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर वाटर प्यूरीफिकेशन सिस्टम' के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नागालैंड द्वारा पीएच. डी. उपाधि प्रदान की गई है।

पुरस्कार

कैब्स, बेंगलूरु

डॉ. के. राजलक्ष्मी मैनन, ओ एस एवं निदेशक, वायुवाहित प्रणाली केंद्र (कैब्स), बेंगलूरु एवं पीजीडी (एईडब्ल्यू एवं सीएम के–II) को 'रिथिंक इंडिया' द्वारा 'श्रीमती सुष्मा स्वराज स्त्री शक्ति सम्मान–2022' पुरस्कार प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें कैब्स के निदेशक पद का कार्यभार संभालने तथा उसकी प्रतिष्ठा को बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला शांति एवं निःशस्त्रीकरण दिवस समारोह के दौरान दिनांक 24 मई 2022 को दिया गया जिसके कारण भारत के स्त्री शक्ति सूचकांक में भी वृद्धि हुई।

एमटीआरडीसी, बेंगलूरु

डॉ. लता क्रिस्टी, वैज्ञानिक 'जी' एवं ए डी, माइक्रोवेव ट्यूब रिसर्च एण्ड डिवलेपमेंट सेंटर (एमटीआरडीसी), बेंगलूरु को कर्नाटक वाणिज्य एवं उद्योग संघ (एफकेसीसीआई) द्वारा बेंगलूरु में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस–2022 के दौरान पुरस्कार प्रदान किया गया।

आरसीआई, हैदराबाद

श्री के वी बी वी रायडू, वैज्ञानिक 'जी', रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई), हैदराबाद को उनके शोधप्रबंध शीर्षक 'सम इन्वेस्टिगेशन्स ऑन टेस्टिंग एण्ड फॉल्ट डाइग्नोसिस एल्गोरिथम्स फॉर वीएलएसआई सर्किट्स' के लिए ईसीई विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारंगल द्वारा पीएच. डी. उपाधि प्रदान की गई।

सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार

रक्षा धातुकर्मीय अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएमआरएल), हैदराबाद से श्री नंदम श्रीनिवास राव, डॉ. ए. वेणुगोपाल राव, डॉ. अमोल ए. गोखले, और डॉ. सुहास एस. जोशी द्वारा लिखित शोधप्रबंध शीर्षक 'एक्सपेरिमेंटल स्ट्डी ऑन सरफेस इंटीग्रिटी ऑफ सिंग्ल क्रिस्टल निकिल–बेस्ड सुपरएलॉय अंडर वेरियस मशीनिंग प्रोसेसिस' को 8वें अंतर्राष्ट्रीय तथा 29वें अखिल भारतीय विनिर्माण प्रौद्योगिकी, डिजाइन, और अनुसंधान सम्मेलन (एआईएमटीडीआर 2021) की संयोजक समिति द्वारा सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र चयनित किया गया।

एनएसटीएल वैज्ञानिक को रजत पदक

पैरा राष्ट्रीय टेबल-टेनिस चैम्पियनशिप-2021 प्रतियोगिता

श्री तंगुतुरी रामू, वैज्ञानिक 'डी', नौसेना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय प्रयोगशाला (एनएसटीएल), विशाखापत्तनम ने पैरा टेबल टेनिस राष्ट्रीय चैम्पियनशिप–2021 में पुरुष सिंग्ल प्रतियोगिता में रजत पुरस्कार प्राप्त किया, जिसका आयोजन पैरा टेबल टेनिस प्रोमोशन एसोसिएशन द्वारा मध्य प्रदेश टेबल टेनिस एसोसिएशन के साथ संयुक्त रूप से भारत के टेबल टेनिस फेडरेशन के तत्वावधान के तहत किया गया था। उन्होंने मध्य प्रदेश के इंदौर में दिनांक 27–30 अप्रैल 2022 के दौरान आयोजित प्रतियोगिता में आंध प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने आंध्र प्रदेश के पैरा टेबल टेनिस के इतिहास में श्रेणी–9 के तहत पुरुष सिंग्ल प्रतियोगिता में पहली बार रजत पदक जीता। इसके फलस्वरूप, उन्हें भारत का प्रतिनिधित्व करने हेतु अंतर्राष्ट्रीय पैरा टेबल टेनिस प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिता करने के लिए चयनित किया गया।

डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं में आगंतुकों के दौरे

डीएफआरएल, मैसूर

❄ ब्रिगेडियर एस. भंडारी, वी एस एम, ब्रिग. (एफआई) ने दिनांक 19 अप्रैल 2022 को रक्षा खाद्य अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएफआर एल), मैसूर का दौरा किया। डॉ. आर. कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', एडी, डीएफआरएल, ने डीएफआरएल की गतिविधियों के बारे में एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। ब्रिगे. एस. भंडारी ने प्रदर्शनी भवन, और डीएफआरएल की आर एवं डी सुविधाओं का दौरा किया तथा सैन्य बलों की खाद्य सामग्री की आवश्यकता की पूर्ति करने हेतु डीएफआरएल द्वारा विकसित उत्पादों तथा प्रौद्योगिकियों की प्रशंसा की।

❄ मेजर जर्नल एस एस अहलावत, अपर महा निदेशालय (आपूर्ति एवं प्रबंधन), डी जी एस टी, क्यू एम जी शाखा, आई एच क्यू (थल सेना) ने दिनांक 08 अप्रैल 2022 को डीएफआरएल का दौरा किया। डॉ. आर कुमार, वैज्ञानिक 'एफ', सह निदेशक, डीएफआरएल ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्होंने डीएफआरएल के आर एवं डी उत्पादों तथा गतिविधियों पर प्रस्तुतीकरण किया।

डीएलआरएल, हैदराबाद

❄ रियर एडमिरल आर श्रीनिवास, ए डी जी एसीक्यू – टेक (एम एवं एस) ने दिनांक 18 अप्रैल 2022 को रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान प्रयोगशाला (डीएलआरएल), हैदराबाद का दौरा किया। श्री एन श्रीनिवास राव, ओ एस एवं निदेशक, डीएलआरएल ने डीएलआरएल की गतिविधियों एवं परियोजनाओं का एक विहंगावलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने संगम प्रदर्शन भवन, डीएलआरएल का दौरा किया और उन्हें डीएलआरएल द्वारा विकसित विभिन्न उत्पादों तथा मॉडलों के बारे में जानकारी दी गई। आर. एडमिरल श्रीनिवास ने अपने दौरे को ज्ञानवर्धक एवं उत्साहवर्धक करार दिया क्योंकि उन्हें इससे डीएलआरएल द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट अनुसंधान कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई।

उन्होंने कई और उत्पादों को विकसित करने के लिए निदेशक तथा उनकी ऊर्जावान टीम को अपनी शुभकामना दी।

ब्रिगे. एस. भंडारी, वी एस एम, ब्रिगे. (एफआई) का डीएफआरएल, मैसूर में दौरा

मेजर जनरल एस एस अहलावत, अपर महानिदेशालय (आपूर्ति एवं प्रबंधन), डी जी एस टी, क्यू एम जी शाखा, आई एच क्यू (सेना) का डीएफआरएल, मैसूर का दौरा

रियर एडमिरल आर श्रीनिवास, एडीजी एसीक्यू – टेक (एम एवं एस) का डीएलआरएल, हैदराबाद के प्रदर्शनी भवन का दौरा करते हुए

❊ वाइस चीफ ऑफ एअर स्टाफ, एअर मार्शल संदीप सिंह, पी वी एस एम, ए वी एस एम, वी एम, और ए डी सी ने दिनांक 20 अप्रैल 2022 को डीएलआरएल का दौरा किया। श्री एन श्रीनिवास राव, ओ एस एवं निदेशक, डीएलआरएल ने उन्हें डीएलआरएल की परियोजनाओं, उत्पादों तथा उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। डीएलआरएल द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के तहत विकसित उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को उनके दौरे के दौरान प्रदर्शित किया गया। वाइस चीफ ने रक्षा बलों के लिए डीएलआरएल द्वारा किए जा रहे बेहतरीन कार्य की प्रशंसा की।

वाइस चीफ ऑफ एअर स्टाफ, एअर मार्शल संदीप सिंह, पी वी एस एम, ए वी एस एम, वी एम, और एडीसी का डीएलआरएल, हैदराबाद में दौरा

एनएमआरएल, अंबरनाथ

j{kk l a/kh l a n h; LFkk; h l fe fr d k n kSk

माननीय श्री जुआल ओरम, संसद सदस्य की अध्यक्षता में रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति (एससीओडी) ने नौसेना सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला (एनएमआरएल), अंबरनाथ, और मजगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) की गतिविधियों की समीक्षा करने हेतु दिनांक 27 अप्रैल 2022 को मुंबई का दौरा किया। इस दौरे का आयोजन एमडीएल और एनएमआर एल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। डॉ. समीर वी कामत, डी एस एवं डी जी (एनएस एवं एम), श्री पी टी रोजत्कर, ओ एस एवं निदेशक, एनएमआरएल, डॉ. रविन्द्र सिंह, निदेशक, डीपीए, और अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया। डॉ. समीर वी कामत ने सभी एससीओडी सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें प्रयोशाला के इतिहास, विकसित प्रौद्योगिकियों, महत्वपूर्ण परियोनाओं, टीओटी, और विकास में उद्योग की प्रतिभागिता, उत्पादन, और योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. सुमन रॉय चौधरी, वैज्ञानिक 'जी', एससीओडी द्वारा 'प्रमुख अनुसंधान पहलों सहित सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की सहभागिता के द्वारा स्वदेशी रक्षा उत्पादन का मूल्यांकन' पर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। एनएमआरएल द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियों और उत्पादों की प्रदर्शनी आयोजित की गई।

डॉ समीर वी कामत, श्री पीटी रोज़तकर, डॉ रविन्द्र सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रक्षा पर संसद की स्थायी समिति के सदस्य